एमएसडीई मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नॉर्थ-ईस्ट रीजन के लिए विशेष पहल शुरू की, 360 करोड़ के वित्तीय आवंटन के साथ 2.5 लाख उम्मीदवारों को टारेगट किया

इसका उद्देश्य युवाओं को डोमेन और एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स के साथ सशक्त बनाना है

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 2023: नॉर्थ-ईस्टर्न रीजन (एनईआर) में एक मजबूत स्किल-सेन्ट्रिक और इंडस्ट्री के लिए तैयार इकोसिस्टम बनाने के लिए, माननीय शिक्षा और **कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और माननीय केंद्रीय कल्चर, टूरिज्म और नॉर्थ-ईस्टर्न रीजन (एनईआर) के विकास मंत्री श्री जी.किशन रेड्डी** ने आज **'ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स' बिल्डिंग फ्यूचर: स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप इन नॉर्थ ईस्ट'** नाम से एक विशेष पहल शुरू की है। पहल के हिस्से के रूप में, एनईआर के 2.5 लाख प्रतिभाशाली युवाओं को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) सहित योजनाओं और पहलों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से इंडस्ट्री रेलेवेंट स्किल ट्रेनिंग प्रोगाम प्रदान किए जाएंगे।

सरकार ने समावेशी विकास को सुविधाजनक बनाने, उद्यमशीलता प्रतिभा को पोषित करने और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 360 करोड़ रुपये का पर्याप्त फंड निर्धारित किया है। आगे की वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए, एग्रीकल्चर, टूरिज्म, हैंडीक्राफ्ट्स और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सहित विभिन्न क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग को पूरा करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

इस कार्यक्रम को श्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, भारत सरकार, श्री जी किशन रेड्डी, पर्यटन, संस्कृति और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री, भारत सरकार, श्री राजीव चन्द्रशेखर, कौशल विकास और उद्यमशीलता, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री, श्री जयंत मल्लाबारुआ, पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग, स्किल डेवलपमेंट एम्प्लॉयबिलिटी एंड एंटरप्रेन्योरशिप एंड टूरिज्म मंत्री, असम सरकार, नागालैंड सरकार के लेबर, एम्प्लॉयमेंट, स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप एंड एक्साइज डिपार्टमेंट के एडवाइजर और एमएलए श्री माओतोशी लोंगकुमार जी, श्री भीम हैंग लिंबू जी, पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग और वाटर सिक्योरिटी, वाटर रिसोर्स एंड रिवर डेवलपमेंट, स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप, सिक्किम सरकार और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सेक्रेटरी श्री अतुल कुमार तिवारी जी द्वारा संबोधित किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, **माननीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान** ने कहा, “भारत ग्लोबल स्किल हब के रूप में एक उल्लेखनीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, और मुझे यह देखकर बहुत गर्व होता है कि एनईआर अपने सामने उभरते अवसरों का प्रभावी ढंग से दोहन कर रहा है। हमारा व्यापक लक्ष्य भारत के परिदृश्य से बेरोजगारी को खत्म करना है, जो हमें एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र - एक आत्मनिर्भर भारत बनने की ओर प्रेरित करता है। हम एनईआर के स्थानीय युवाओं को न केवल एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स बल्कि एक लचीली उद्यमशीलता मानसिकता प्रदान करके सशक्त बनाने का लगातार प्रयास करते हैं जो उद्योगों की लगातार बढ़ती मांगों के साथ सहजता से संरेखित हो। अटूट समर्पण के साथ, हम एक ऐसे भविष्य को आकार दे रहे हैं जहां एनईआर के युवा आगे बढ़ने के लिए सुसज्जित होंगे। एनईआर के लिए विशेष पैकेज के

हिस्से के रूप में इन कौशल-केंद्रित पहलों का उद्घाटन, एक लाइफ-ऑल्टरिंग एंडेवर होना तय है।“

माननीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आगे कहा कि “मुझे हमारे उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए इस विशेष कौशल विकास और उद्यमशीलता पहल को शुरू करते हुए खुशी हो रही है। यह पहल जीवन को बदल देगी और हमारे अष्टलक्ष्मी राज्यों की #अमृतपीढ़ी को बेहतर ढंग से तैयार करेगी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विज़न को वास्तविकता में बदलने के लिए एक मजबूत स्किल डेवलपमेंट मिशन आवश्यक है। संपूर्ण गवर्नमेंट अप्रोच के साथ, हम अपने युवाओं की क्षमता निर्माण और भारत को दुनिया की कौशल राजधानी बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

इस विशेष पहल 'ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स' बिल्डिंग फ्यूचर: स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप इन नॉर्थ ईस्ट" में शामिल होंगे:

a) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत 2 लाख कौशल प्रशिक्षण
b) राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) के तहत 30,000 अप्रेंटिसशिप इंगेजमेंट
c) जन शिक्षण संस्थानों (जेएसएस) के तहत 20,000 को कुशल बनाया जाएगा
d) स्किल स्ट्रेंथनिंग फॉर इंडस्ट्रियल वैल्यू एन्हांसमेंट (स्ट्राइव) के तहत आईटीआई की गुणवत्ता में वृद्धि
e) पॉलिटेक्निक का सुदृढ़ीकरण
f) संकल्प के तहत उत्तर-पूर्व क्षेत्र की विशेष जरूरतों के लिए विशेष परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।
g) विदेशी नौकरी के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर स्थापित किया जाएगा।

इस पहल की सराहना करते हुए, माननीय **केंद्रीय कल्चर, टूरिज्म और नॉर्थ-ईस्टर्न रीजन (एनईआर) के विकास मंत्री श्री जी.किशन रेड्डी ने लॉन्च की सराहना की** और कहा कि एमएसडीई की इस पहल से पहले चरण में 2.5 लाख से अधिक युवाओं को लाभ होगा, जो उन्हें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए जॉब के लिए तैयार करेगा। यह पूर्वोत्तर क्षेत्र को विकास का इंजन बनाने का श्री नरेंद्र मोदी सरकार का एक और प्रयास है।

कौशल विकास और उद्यमशीलता और इलेक्ट्रॉनिक्स आईटी राज्य मंत्री श्री राजीव चन्द्रशेखर ने कहा, “पिछले 9 वर्षों में, हमारे प्रधानमंत्री ने एजुकेशन, स्किलिंग और इनोवेशन पर जोर देकर एक अनुकूल स्किल इकोसिस्टम बनाने के लिए लगातार काम किया है। अब हम वर्तमान ट्रेंड के साथ भविष्य की ओर देख रहे हैं जो हमारी कौशल रणनीतियों को आकार दे सकता है। हम जनसांख्यिकी के साथ दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक हैं जो वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए बहुत प्रासंगिक है। डिजिटाइजेशन अभूतपूर्व गति से बढ़ रहा है और #डिजिटल में ही हम अपना भविष्य देखेंगे। उद्यमशीलता और जॉब्स दोनों में जबरदस्त संख्या में नए अवसर पैदा होने के साथ, #स्किल्स की आवश्यकता बढ़ गई है। ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स एंड बिल्डिंग फ्यूचर सिर्फ एक स्लोगन नहीं है, यह हमारे उत्तर-पूर्व के युवा भारतीयों के लिए एक मिशन है। हमारा मानना है कि न्यूइंडिया का भविष्य उज्ज्वल है और स्किलिंग समृद्धि का पासपोर्ट है।"

नॉर्थ ईस्ट में कौशल विकास और उद्यमशीलता पहल राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के साथ पाठ्यक्रमों के संरेखण पर जोर देती है, जो अच्छी तरह से विकसित पेशेवरों को विकसित करने के लिए एक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा समर्थित है। कार्यक्रम में स्किल डिमांड को एग्रीगेट करने, प्रशिक्षण मॉड्यूल को सरल बनाने, पाठ्यक्रम विकास और 'सीखने के साथ-साथ कमाएं' मोड में अपने स्किल सेट को उन्नत करने के लिए ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने में उद्योग की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर भी विचार-विमर्श किया गया।

पिछले नौ वर्षों में, एमएसडीई ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में आईटीआई की नेटवर्क संख्या बढ़ाकर 106 कर दी है। इसने 3 लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया है और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (आईआईई) के माध्यम से 1000 उद्यमियों को सहायता प्रदान की है। एमएसडीई ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत टेक्सटाइल, हैंडलूम, कंस्ट्रक्शन, अपैरल, एग्रीकल्चर, इलेक्ट्रॉनिक्स और हेल्थकेयर में लगभग 12 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया है।

राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) ने उत्तर-पूर्व में पिछले सात वर्षों में 1,693 एस्टेब्लिशमेंट में 38,240 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की है। इसके अलावा, सेन्टर ने जेएसएस में 72% से अधिक महिला लाभार्थियों के साथ 98000 से अधिक

लाभार्थियों को प्रशिक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक मजबूत स्किल इकोसिस्टम बनाने, युवाओं को डोमेन और रोजगार कौशल के साथ सशक्त बनाने के लिए एक प्रमाण के रूप में खड़ा है।